

छत्तीसगढ़ शासन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के बीच हुआ एमओयू

चर्चा में क्यों?

5 जुलाई, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ज़िले के सर्कटि हाउस में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के आजीविका व्यापार प्रशिक्षण केंद्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के बीच एमओयू हुआ।

प्रमुख बंदि

- इस एमओयू के अनुसार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक द्वारा सामुदायिक केंद्र या कौशल विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिये राज्य सरकार द्वारा ज़िले के ग्राम लालपुर में 3 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर दी गई है।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रोफेसर प्रकाश मणितरिपाठी ने कहा कि यह क्षेत्र दुर्लभ औषधीय प्रजाति से समृद्ध है। साथ ही यहाँ के नविसी पेड़-पौधे और दुर्लभ जीव-जंतुओं एवं औषधियों के जानकार हैं। उनके द्वारा विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने पर न ही सरिफ इस क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि पूरी मानव जाति का कल्याण होगा।
- विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित केंद्र द्वारा डपिलोमा तथा डिग्री प्रोग्राम संचालित किये जाएंगे, जसिमें नेशनल स्कलि क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क के अनुकूल एवं गाइडलाइन के अनुसार वभिनिन रोजगार उन्मुख ई-कौशल पाठ्यक्रम शामिल रहेंगे। साथ ही इस केंद्र के सहयोग से स्व-रोजगार स्थापति करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को मार्केट लकिंज तथा क्रेडिट लकिंज की सेवा प्रदान की जाएगी।
- इसका उद्देश्य जलि में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मशिन के तहत गठित स्व-सहायता समूह की महिलाओं, ग्रामीणों एवं युवाओं को कौशल विकास तथा रोजगारोन्मुखी, व्यवसायपरक शकिषा प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनरिभर बनाने के लिये वभिनिन वधिओं में पारंगत कर जनजातीय उन्नयन की दशिा में कार्य करना है।
- लाइवलीहुड बजिनेस इन्क्यूबेशन (एलबीआई) के समेकित प्रशकिषण केंद्र द्वारा क्षेत्रीय जनजातियों एवं कसिानों को वभिनिन ट्रेड्स में प्रशकिषति कयिा जाएगा। केंद्र के समेकित प्रशकिषण केंद्र द्वारा जनजातीय समुदायों को व कसिानों को वभिनिन ट्रेड्स में प्रशकिषण प्रदान कयिा जाएगा।
- केंद्र द्वारा क्षेत्रीय उत्पाद- कोदो कुटकी, शहद आदि से वभिनिन उत्पाद तैयार कर उनकी ब्रॉन्डिंग भी की जाएगी तथा कसिानों को उचति मूल्य प्रदान कयिा जाएगा, जसिसे क्षेत्र के कसिान की आय में वृद्धि होगी और छत्तीसगढ़ के उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।
- इस क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास में पारंगत होने से स्व-रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, उच्च शकिषा प्राप्त करने के भी अवसर मिलेंगे। साथ ही उन्हें उच्च शकिषा प्राप्त करने के लिये बड़े शहर जाने से मुक्ति मिलेगी।
- इस एमओयू से इस केंद्र में अधययन करने वाले वदियार्थियों को शोध करने का अवसर मलैगा। यह क्षेत्रीय जनजातीय समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने, शैक्षणिक व आर्थिक रूप से समृद्ध व आत्मनरिभर करने में सहायक सदिध होगा।